



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 249]

नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 14, 2015/आषाढ़ 23, 1937

No. 249]

NEW DELHI, TUESDAY, JULY 14, 2015/ASHADHA 23, 1937

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

अधिसूचना

मुंबई, 9 जुलाई, 2015

सं. टीएमपी/28/2015-एमबीपीटी- महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 48, 49 और 50 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण, एतद्वारा मुंबई पत्तन न्यास (एमबीपीटी) के दरमानों में 'दिन' की परिभाषा में संशोधन के लिए, मुंबई पत्तन न्यास(एमबीपीटी) से प्राप्त प्रस्ताव का, इसके साथ संलग्न आदेशानुसार निपटान करता है।

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

मामला सं. टीएमपी/28/2015-एमबीपीटी

मुंबई पत्तन न्यास

आवेदक

कोरम

- (i) श्री टी.एस. बालासुब्रह्मनियन, सदस्य (वित्त)
- (ii) श्री चन्द्र भान सिंह, सदस्य (अर्थशास्त्र)

आदेश

(जुलाई 2015 के दूसरे दिन पारित)

यह मामला, इस प्राधिकरण द्वारा मुंबई पत्तन न्यास (एमबीपीटी) के दरमानों में 'दिन' की परिभाषा में संशोधन के लिए, मुंबई पत्तन न्यास(एमबीपीटी) से प्राप्त प्रस्ताव से संबंधित है।

2. मुंबई पत्तन न्यास (एमबीपीटी) के दरमान पिछली बार इस प्राधिकरण के दिनांक 02 जनवरी, 2015 के आदेश द्वारा अनुमोदित किये गये थे। ये दरमान, 19 जनवरी, 2015 को भारत के राजपत्र में राजपत्र संख्या 19 के अंतर्गत अधिसूचित किये गये थे।
3. मुंबई पत्तन न्यास (एमबीपीटी) ने दिनांक 17 अप्रैल 2015 के अपने पत्र में, जनवरी 2015 में अनुमोदित मौजूदा दरमानों में 'दिन' की परिभाषा में संशोधन के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। मुंबई पत्तन न्यास (एमबीपीटी) द्वारा प्रस्तुत किये गये दस्तावेजों के आधार पर किये गये अनुरोध, निम्नानुसार हैं :-

- (i) मुंबई पत्तन न्यास (एमबीपीटी)के वर्तमान दरमान इस प्रधिकरण द्वारा 19 जनवरी 2015 के राजपत्र संख्या 19 के अंतर्गत अनुमोदित हैं। कथित दरमानों के उपखंड 1.1(vii) में दी गई 'दिन' की परिभाषा, इस प्रकार है :
 "'दिन' का अर्थ है एक कैलेंडर दिवस अर्थात एक 'दिन' की मध्य रात्रि से उससे आगामी 'दिन' की मध्यरात्रि तक की अवधि"
- (ii) दरमानों की धारा 3.1.(ख) के अनुसार निशुल्क दिनों की समाप्ति के पश्चात कार्गो पर दरमानों में दी गई दर के अनुसार विलंब शुल्क, वसूल किया जाता है। इस प्रकार यदि कार्गो का निपटान अंतिम निशुल्क दिनों की मध्य रात्रि या उसके पश्चात, किया जाता है तो कार्गो के डॉक से अंतिम निशुल्क दिनों (दरमानों में 'दिन' की परिभाषा के संदर्भ में) की समाप्ति के पश्चात निपटान किये जाने पर विलंब शुल्क वसूल किया जाएगा।
- (iii) मध्यरात्रि के पश्चात वितरण के लिए कार्गो से लदे हुए वाहनों पर विलंब शुल्क और डाक में तत्पाश्चातिक संरोध का मुद्दा पत्तन-प्रयोक्ता/पत्तन-प्रयोक्ता संगठनों द्वारा भूतकाल में बार बार उठाया जाता रहा है। वे मुंबई पत्तन न्यास से दरमानों में दी गई 'दिन' की परिभाषा में संशोधन का अनुरोध करते रहे हैं जिसके परिणामस्वरूप यातायात की संकुलता या डॉक से बाहर जाने वाले गेटों पर, लदे हुए वाहनों के संचलन में होने वाले विलंब में कमी आएगी।
- (iv) इस कार्यभार में आने वाली कठिनाइयों की जांच करने के लिए गठित समिति द्वारा इस मुद्दे पर सोच-विचार किया गया था। समिति द्वारा की गई सिफारिशें इस प्रकार हैं :-
 "पत्तन को 'दिन' की परिभाषा 'दिन' की मध्य रात्रि से आगामी 'दिन' की मध्य रात्रि तक की अपेक्षा 0800 बजे से 0800 बजे तक जेएनपीटी पर सीएसएफ के समरूप की जानी चाहिए ताकि कार्गो का वितरण तीसरी पारी में बिना किसी विलंब शुल्क के जारी रखा जा सके "
- (v) प्रयोक्ता/प्रयोक्ता संगठनों के द्वारा किए गए अनुरोध तथा इस तथ्य पर विचार करते हुए कि अन्य पत्तनों(केओपीटी, पीपीटी वीपीटी, सीएचपीटी वीओसीपीटी, सीओपीटी) से संबंधित दरमानों में 'दिन' की परिभाषा दी गई है जिनमें पहली पारी 0600 बजे प्रारंभ होती है तथा परिवहन संकुलन को कम करने के लिए एमबीपीटी बोर्ड ने अपने टीआर सं. 243 दिनांक 27.3.2015 के अंतर्गत दरमानों में, 'दिन' की परिभाषा में संशोधन का अनुमोदन प्रदान कर दिया है जो इस प्रकार है।
 "'दिन' का अभिप्राय: उस अवधि से है जो 'दिन' के 0800 बजे आरंभ होकर आगामी दिवस के 0800 बजे समाप्त हो जाएगी "
- (vi) उपर्युक्त के परिप्रेक्ष्य में एमबीपीटी द्वारा इस प्राधिकरण को, 'दिन' की परिभाषा में ऊपर दिए अनुसार संशोधन का अनुमोदन प्रदान करने का अनुरोध किया गया है।

4.1 निर्धारित परमार्शी प्रक्रिया के अनुसार, दिनांक 17 अप्रैल 2015 के प्रस्ताव की एक प्रति इंदिरा कंटेनर टर्मिनल प्रा. लि. (आईसीटीपीएल) और संबंधित प्रयोक्ता/प्रयोक्त संगठनों को, उनकी टिप्पणी के लिए भेजी गई थी। केवल बृहन मुंबई कस्टम हाऊस एजेंट्स संस्था(बीसीएचए) ने अपने दिनांक 08 मई 2015 और मुंबई न्हावा शेवा शिप एजेंट्स एसोसिएशन (एमएएनएसए) ने अपने दिनांक 13 मई 2015 के ई-मेल के अंतर्गत अपनी टिप्पणियां भेजी हैं। इस मामले के निपटान तक किसी भी अन्य प्रयोक्ता ने अपनी टिप्पणियां नहीं भेजी हैं।

4.2. बीसीएचए ने एमबीपीटी द्वारा प्रस्तावित संशोधन के लिए अपनी सहमति प्रदान कर दी है तथा एमएएनएसए ने इस संशोधन के संदर्भ में उल्लेख किया है कि उन्हें कोई आपत्ति नहीं है।

5. संदर्भाधीन मामले पर 18 मई 2015 को मुंबई में प्राधिकरण के कार्यालय में संयुक्त सुनवाई की गई थी जिसमें एमबीपीटी तथा प्रयोक्ता संगठनों ने अपने विचार प्रस्तुत किए थे।

6. इस मामले में परामर्श से संबंधित कार्यवाही का रिकार्ड प्राधिकरण के कार्यालय में उपलब्ध है। संबंधित पक्षों के द्वारा किए तर्क वितर्क के उद्घरण संबंधित पक्षों को पृथक-पृथक भेज दिए जाएंगे। ये विवरण हमारी वेबसाइट <http://tariffauthority.gov.in> पर भी देखे जा सकते हैं।

7. इस मामले पर कार्रवाई के दौरान एकत्रित समग्र जानकारी से निम्न स्थिति स्पष्ट होती है:

- (i). एमबीपीटी के वर्तमान दरमानों में 'दिन' शब्द से अभिप्राय: है "'दिन' का अर्थ है कैलेंडर दिवस अर्थात एक दिन की मध्यरात्रि से उससे आगामी 'दिन' की मध्यरात्रि तक की अवधि"। एमबीपीटी के अनुसार इससे वह स्थिति उत्पन्न हो जाती है जिसमें दूसरी पारी में वितरण के लिए (दूसरी पारी 2330 बजे समाप्त हो जाती है) लदे हुए वाहन 2330 के पश्चात गेट पर रोक लिये जाते हैं ताकि एमबीपीटी के निर्धारित दरमानों के अनुसार कार्गो पर 'दिन' की परिभाषा के अनुरूप, विलंब शुल्क लिया जा सके। इससे एमबीपीटी पर यातायातीय भीड़ बढ़ने की रिपोर्ट मिली है। परिणामतः

संबंधित पणधारियों से शिकायतें प्राप्त होनी शुरू हो गई हैं। इसलिए एमबीपीटी ने 'दिन' की परिभाषा में संशोधन का विचार किया है।

- (ii) एमबीपीटी ने सूचित किया है कि एमबीपीटी द्वारा इस व्यवसाय में पेश आने वाली समस्याओं की जांच के लिए गठित समिति ने साथ-साथ 'दिन' की परिभाषा को "'दिन' की मध्य रात्रि से आगामी 'दिन' की मध्यरात्रि तक की अपेक्षा 0800 बजे से 0800 बजे तक" के रूप में संशोधित करने की सिफारिश की है ताकि कार्गो वितरण का कार्य बिना किसी विलंब शुल्क पर जोर दिए, तीसरी पारी में जारी रखा जा सके।
- (iii) जैसा कि अधिकांश अन्य महापत्तन न्यासों के दरमानों और जैसाकि एमबीपीटी ने स्वयं भी कहा है अधिकांश अन्य महापत्तनों में 'दिन' की परिभाषा इस प्रकार दी गई है कि 'दिन' का आरंभ पहली पारी (0600 बजे) से होगा तथा समाप्ति अगले 'दिन' के 0600 बजे हो जाएगी, स्थिति के मद्देनजर एमबीपीटी ने 'दिन' की परिभाषा में संशोधन का अनुरोध किया है कि 'दिन' का प्रारंभ पहली पारी से माना जाए।
- (iv) चूंकि एमबीपीटी में पहली पारी प्रातः आठ बजे आरंभ होती है। इसलिए एमबीपीटी ने 'दिन' की परिभाषा में इस प्रकार संशोधन करने का प्रस्ताव किया है कि 'दिन' का अभिप्रायः होगा - 'दिन' के 0800 बजे से लेकर आगामी 'दिन' के 0800 बजे तक की अवधि।
- (v) प्रदत्त है कि एमबीपीटी द्वारा प्रस्तावित संशोधन, निकाय के न्यासियों (बोर्ड आफ ट्रस्टीज़) द्वारा अनुमोदित है तथा यह इस व्यापार में आने वाली कठिनाइयों की जांच करने के लिए गठित समिति की सिफारिशों के अनुरूप है और उससे यातायातीय भीड़ और वितरण के लिए लदे हुए ट्रकों के डॉक के गेट से बाहर जाने में होने वाले विलंब में कमी आएगी। यह प्राधिकरण एमबीपीटी द्वारा पत्तन के प्रस्ताव अनुसार, 'दिन' की परिभाषा में संशोधन के लिए किए गए अनुरोध को स्वीकार करने पर सहमत है।
- (vi) जैसा कि पहले भी कहा गया है, एमबीपीटी ने इस आधार पर कि 01 अप्रैल 2015 से 'दिन' की परिभाषा में संशोधन का अनुमोदन मांगा गया है, एक परिपत्र व्यापारकर्ताओं को पहले ही जारी कर दिया गया है। इस संबंध में यह कहना है कि इस प्राधिकरण के आदेश सामान्यतः राजपत्र अधिसूचना जारी होने के 30 'दिन' के पश्चात प्रभावी हो जाते हैं जब तक कि अन्यथा संबंधित प्रशुल्क आदेशों में विशेष तौर पर इससे भिन्न उल्लेख न किया गया हो। कुछ अपवादित मामलों में ऐसा कलमबद्ध किए गए कारणों से पिछले प्रभाव से प्रभावी किये जाते हैं। संदर्भाधीन मामलों में 'दिन' की परिभाषा को 01 अप्रैल 2015 से पिछले प्रभाव से संशोधन करने के लिए प्रयोक्ता मान गये हैं। प्रयोक्ताओं की सहमति के परिप्रेक्ष्य में 'दिन' की परिभाषा में किया जाने वाला संशोधन 01 अप्रैल 2015 से प्रभावी किया जाना है तथापि एमबीपीटी को दरमानों और शर्तों में परिवर्तन की सूचना देने संबंधी परिपत्र, प्राधिकरण द्वारा संशोधनों के अनुमोदन से पूर्व व्यापारकर्ताओं को जारी न करने का परामर्श दिया गया है।

8.1. परिणामतः उपर्युक्त कारणों से और समग्र विचार-विमर्श के आधार पर यह प्राधिकरण एमबीपीटी के दरमानों के उपखंड 1.1 (vii) 'दिन' की वर्तमान परिभाषा के स्थान पर निम्नलिखित परिभाषा बदलने का अनुमोदन प्रदान करता है।

"'दिन' का अभिप्राय है: 'दिन' के 0800 बजे से लेकर आगामी 'दिन' के 0800 बजे समाप्त अवधि"

8.2. एमबीपीटी को अपने दरमानों के प्रासंगिक नोट में उपयुक्त संशोधन करने का परामर्श दिया जाता है।

8.3. यह कथित संशोधन 01 अप्रैल 2015 से प्रभावी होगा।

(टी.एस. बालासुब्रह्मनियन, सदस्य (वित्त))

[विज्ञापन III/4/असा./143/2015 (138)]

TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS

NOTIFICATION

Mumbai, the 9th July, 2015

No. TAMP/28/2015-MBPT.— In exercise of the powers conferred under Sections 48, 49 and 50 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Tariff Authority for Major Ports hereby disposes of the proposal received from Mumbai Port Trust (MBPT) for amending the definition of 'Day' in the Scale of Rates of Mumbai Port Trust (MBPT), as in the Order appended hereto.

TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS

Case No. TAMP/28/2015-MBPT

The Mumbai Port Trust

- - -

Applicant**QUORUM**

- (i) Shri T.S. Balasubramanian, Member (Finance)
- (ii) Shri Chandra Bhan Singh, Member (Economic)

ORDER

(Passed on this 2nd day of July, 2015)

This case relates to a proposal received from Mumbai Port Trust (MBPT) seeking approval for amendment in the definition of 'Day' in the Scale of Rates of Mumbai Port Trust (MBPT).

2. The Scale of Rates of MBPT was last approved by this Authority *vide* its Order dated 02 January 2015. The Scale of rates of MBPT was notified in the Gazette of India on 19 January 2015 *vide* Gazette No. 19.

3. The MBPT *vide* its letter dated 17 April 2015 has submitted a proposal for amending the definition of 'Day' in its existing Scale of Rates approved in January 2015. The submissions made by MBPT as seen from the documents furnished by the MBPT are as follows:

- (i). The existing Scale of Rates of MBPT are approved by the Authority *vide* Gazette No.19 dated 19 January 2015. In the said Scale of Rates, the definition of 'Day' is provided under Clause 1.1(vii) as given below:
"Day means a calendar day i.e. the period from the midnight of a day to the midnight of the following day".
- (ii). As per Section 3.1(B) of the Scale of Rates, demurrage is recovered on the cargo after expiry of free days at the rate provided in SOR. Thus, the cargo which is cleared from the docks after expiry of last free days (in terms of definition of 'Day' in SOR) attracts demurrage if it is cleared after midnight of the last free day or thereafter.
- (iii). The issue of charging demurrage on cargo loaded on trucks for delivery beyond midnight and consequential detention of loaded vehicles inside the dock has been raised by Port users/ Ports User's Association time and again in the past. They have been requesting MBPT to change the definition of 'Day' in the SOR which would also mitigate the traffic congestion or delays in movement of outward loaded trucks meant for delivery from the Dock gates.
- (iv). This issue was also deliberated by a Committee constituted for examining the problems faced by the trade. The recommendation made by the committee is as under:
"Port should change the 'day' hrs from midnight of a day to midnight of following day to 0800hrs – 0800 hrs on the following day on the lines of the CSFs at JNPT so that delivery of cargo can be continued to IIIrd shift, without insisting for demurrage."
- (v). Considering the request made by Users/ User Organisations and the fact that other Ports (KOPT, PPT, VPT, CHPT, VOCPT, COPT) are having definition of 'Day' in their respective Scale of rates starting from 0600 hours of a day which is commencing on first shift and also to mitigate the problem of traffic congestion, the MBPT Board has accorded approval *vide* TR No.243 of 27.3.2015 to the amendment in the definition of 'Day' in SOR as given below:
"Day Shall mean the period starting from 0800 hours of a day and ending at 0800 hours of the following day".
- (vi). In view of above, MBPT has requested this Authority to approve the amendment in the definition of 'Day' as brought out above.

4.1. In accordance with the consultative procedure prescribed, a copy of the MBPT proposal dated 17 April 2015 was taken up on consultation with Indira Container Terminal Private Limited (ICTPL) and concerned users/ user organisations seeking their comments. Only Brihanmumbai Custom House Agents' Association (BCHAA) *vide* its email dated 08 May 2015 and Mumbai & Nhava-Sheva Ship Agent's Association (MANSA) *vide* its email dated 13 May 2015 have furnished their comments. None of the other users have furnished their comments, till the case was disposed of.

4.2. The BCHAA has given its concurrence to the amendment proposed by MBPT and MANSA has stated that they have no objection to the proposed change.

5. A joint hearing on the case in reference was held on 18 May 2015 at the office of this Authority in Mumbai. At the joint hearing, MBPT and users/ user organisations have made their submissions.

6. The proceedings relating to consultation in this case are available on records at the office of this Authority. An excerpt of the arguments made by the concerned parties will be sent separately to the relevant parties. These details will also be made available at our website <http://tariffauthority.gov.in>.

7. With reference to the totality of the information collected during the processing of this case, the following position emerges:

- (i). The existing Scale of Rates of MBPT defines the term 'Day' as 'Day means a calendar day i.e. the period from the midnight of a day to the midnight of the following day'. According to MBPT, this is leading to a position where a loaded vehicle meant for delivery in the 2nd shift (the 2nd shift gets over at 2330 hours), are retained at the Gate after 2330 hours, so that the cargo attracts demurrage in view of the definition of 'day' prescribed in the MBPT Scale of Rates. This is reported to cause congestion at MBPT, which in turn has led to MBPT receiving complaints from the relevant stakeholders. Therefore, the MBPT has come up with a proposal for amending the definition of day.
- (ii). The MBPT has reported that a Committee constituted by the MBPT for examining the problems faced by the trade, has, inter alia, recommended to change the definition of 'day' from midnight of a day to midnight of following day to 0800hrs – 0800 hrs on the following day so that delivery of cargo can be continued in the IIIrd shift, without being insisted for demurrage.
- (iii). As seen from the Scale of Rates of majority of other Major Port Trusts and as also brought out by MBPT itself, the Scale of Rates of majority of other Major Port Trusts define day beginning from the start of the 1st shift (06.00 hrs.) and ending at 06.00 hrs on the next day. It is in view of this position that the MBPT has proposed to amend the definition of day so that the day begins from the start of the 1st shift.
- (iv). Since the first shift at MBPT begins at 0800 hrs in the morning, the MBPT has proposed amendment in the definition of day in such a manner that Day shall mean the period starting from 0800 hours of a day and ending at 0800 hours of the following day.
- (v). Given that the amendment proposed by the MBPT to the definition of day has the approval of its Board of Trustees and is seen to be in line with the recommendation made by the Committee constituted for examining the problems faced by the trade and also since the proposed amendment is reported to mitigate the traffic congestion and delay in the movement of outward loaded trucks meant for delivery from the Dock gates, this Authority is inclined to accede to the request made by the MBPT to amend the definition of day, as proposed by the Port.
- (vi). As brought out earlier, the MBPT, on the ground that it has already issued a circular to the Trade intimating them about the amendment to the definition of "Day" with effect from 1 April 2015, has sought approval to the proposed amendment with effect from 1 April 2015. In this regard, it is to state that the Orders of this Authority generally come into effect prospectively after expiry of 30 days from the date of Gazette Notification unless otherwise different arrangement is specifically mentioned in the respective tariff Orders. In exceptional cases, retrospective effect is given for reason to be recorded. In the case in reference, the users have agreed for retrospective effect to the change in the definition of day with effect from 01 April 2015. In view of the consent given by the users, the amendment effected in the definition of day is deemed to have come into effect from 01 April 2015. However, the MBPT is advised to refrain from issuing Circulars to Trade intimating about change in the Scale of Rates and conditions, prior to this Authority according approval to the proposed changes.

8.1. In the result, and for the reasons given above, and based on a collective application of mind, this Authority accords approval to replace the existing definition of 'Day' as prescribed in the Clause 1.1 (vii) of the MBPT Scale of Rates, with the following definition:

"Day Shall mean the period starting from 0800 hours of a day and ending at 0800 hours of the following day".

8.2 The MBPT is advised to suitably modify the relevant note in its Scale of Rates.

8.3. The said amendment shall come into effect from 01 April 2015.

T. S. BALASUBRAMANIAN, Member (Finance)

[ADVT. III/4/Ext./143/2015/(138)]